ब्रौपदी मुर्मू आएंगी लखनऊ, विधायकों... 2


सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 143 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 जून, 2022

मूल्य ₹ 3/-




बिजनेस का एक आसान सा नियम है, अगर आप उन चीजों को पहले करते हैं जो सरल हैं तो आप वास्तव में बहुत अधिक प्रगति कर सकते हैं।

-मार्क जुकरबर्ग


अब गढ़ के नए 'आजम'... 3

सुलतानपुर में शव वाहन पलटा... 7


# लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है जुबैर की गिरफ्तारी

## देश भर में हुई आलोचना

» विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार को घेरा, ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर की गिरफ्तारी को बताया गलत

» जुबैर पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप दिल्ली पुलिस ने कल किया था गिरफ्तार



मोहम्मद जुबैर

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला किया गया। फैक्ट चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर और पत्रकार मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी की देश भर में निंदा हो रही है। साथ ही दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। विपक्षी दलों ने गिरफ्तारी को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। विपक्षी दलों का कहना है कि सच की आवाज उठाने वाले की गिरफ्तारी गलत है। यह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है। जुबैर को धार्मिक भावनाओं को भड़काने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने कल गिरफ्तार किया था।

फैक्ट-चेकिंग वेबसाइट ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर व पत्रकार मोहम्मद जुबैर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को अरेस्ट किया था। जुबैर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप है। पुलिस ने उन्हें आईपीसी की धारा 153 ए और 295ए के तहत अरेस्ट किया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि जुबैर की तरफ से सोशल मीडिया में एक विशेष धर्म समुदाय के खिलाफ जान बूझकर फोटो पोस्ट की गई थी जिससे अशांति फैल रही थी। लोगों के बीच नफरत फैलाने के लिए जुबैर के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। इसी आधार पर उन्हें अरेस्ट किया गया है।

### किस मामले में हुई गिरफ्तारी

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएस यूनिट में मौजूद ड्यूटी ऑफिसर की शिकायत पर एफआईआर हुई है। ड्यूटी ऑफिसर के मुताबिक वे मॉनिटरिंग कर रहे थे तब उन्होंने देखा कि ट्विटर आईडी **@balajikijai** ने मोहम्मद जुबेर का एक ट्वीट शेयर किया था। जुबेर के अकाउंट से 2018 में यह ट्वीट किया गया था जिसमें लिखा था 2014 से पहले हनीमून होटल और 2014 के बाद हनुमान होटल और होटल के साइन बोर्ड की फोटो भी लगाई गई थी। इसी आईडी ने लिखा कि हनुमान जी की तुलना हनीमून शब्द से करने से हिन्दुओं का अपमान किया गया है, वे ब्रह्मचारी हैं। इसके बाद पुलिस ने जुबेर के खिलाफ आईपीसी 153 ए और 295 ए के तहत एफआईआर दर्ज की और उनकी गिरफ्तारी हुई। गौरतलब है कि यह सीन 1983 में ऋषिकेश मुखर्जी द्वारा बनायी गयी फिल्म किसी से न कहना का है और इसे सेंसर बोर्ड ने पास भी किया है। इसी सीन को जुबेर ने शेयर किया था।

### अखिलेश ने शायराना अंदाज में कसा तंज

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी जुबैर की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने शेर कोट किया, अच्छे नहीं लगते हैं उन झूठ के सौदागरों को सच की पड़ताल करने वाले, जिन्होंने अपनी आस्तीन में हैं पाले, नफरत का जहर उगलने वाले।

"भाजपा की नफरत, कट्टरता और झूठ को जो भी उजागर करता है, ऐसा हर शख्स उनके लिए खतरा हो जाता है। अत्याचार पर हमेशा सत्य की विजय होती है। सच की आवाज उठाने वाले एक शख्स को गिरफ्तार करने पर हजार और सामने आएंगे।

राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस

"माता सीता को टेस्ट ट्यूब बेबी और भगवान बजरंग बली को दलित कहने वाले धार्मिक भावनाओं पर गहरा आघात करने वाले भाजपा नेता दिनेश शर्मा और सीएम आदित्यनाथ पर कार्यवाही कब होगी?

संजय सिंह, सांसद, आप

"मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी अत्यंत निंदनीय है। उन्हें बिना किसी नोटिस के किसी अज्ञात एफआईआर में गिरफ्तार किया गया है। यह कानून का उल्लंघन है। नफरती नारे लगाने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस कोई कदम नहीं उठाती है लेकिन सच्चाई को सामने लाने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करती है।

असदुद्दीन ओवैसी, एआईएमआईएम प्रमुख

### ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर प्रतीक ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

ऑल्ट न्यूज के को-फाउंडर प्रतीक सिन्हा ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि दिल्ली पुलिस ने अन्य मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन गिरफ्तारी दूसरे मामले में हुई है। उन्होंने कहा कि जुबैर को दूसरे मामले के लिए किसी तरह की नोटिस भी नहीं दी गई। बार-बार अनुरोध के बावजूद हमें एफआईआर की कॉपी भी नहीं दी जा रही है। प्रतीक ने दावा किया है कि मेडिकल जांच के बाद जुबैर को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। पुलिस वालों ने अपने नाम का टैग भी नहीं लगाया है। जुबैर के वकीलों को इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है।

"वह झूठ उजागर कर रहा था, तब उससे खतरा हो गया। धर्म के नाम पर नफरत के खेल को उजागर किया तो उसी से नफरत हो गई। जुबैर जेल में है। आहत भावनाओं के इस खेल में उन्हें खतरा नहीं जो झूठ के तंत्र के साथ हैं। खतरा उन्हें है जो झूठ को उजागर करते हैं।

रवीश कुमार, वरिष्ठ पत्रकार

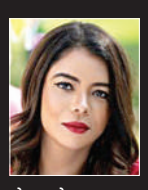



"भारत में फर्जी आईडी पुलिस को फैक्ट चेकर्स की रिपोर्ट कर रहे हैं। वे 2018 में एक फिल्म के एक शॉट पोस्ट करने के लिए फैक्ट चेकर को तुरंत गिरफ्तार कर लेते हैं जो 1983 में सामने आई थी क्योंकि फर्जी आईडी का दावा है कि उनकी भावना आहत हुई है। ठीक है फिर।

रोहिणी सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

"बीते सालों में सैकड़ों बार फेक न्यूज की असलियत बताई। नफरत फैलाने वालों के खिलाफ मोर्चा खोला। उनके फर्जी और जहरीले वीडियो की हकीकत दुनिया को बताई। नतीजा सामने है। बहाने तो पहले से तलाशे जा रहे थे कि कैसे उसे फंसाया जाए। अब तो गिरफ्तारी ही हो गई है।

अजीत अंजुम, वरिष्ठ पत्रकार

### आखिर नूपुर शर्मा क्यों नहीं हुई गिरफ्तार

सोशल मीडिया पर यूजर्स पूछ रहे हैं कि मोहम्मद जुबैर को तो गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन धार्मिक भावना आहत करने वाला बयान देने पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा क्यों नहीं? दिल्ली पुलिस उन्हें बचा रही है। पिछले दिनों भाजपा नेता नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर विवादित बयान दिया था, जिससे देश ही नहीं पूरे विश्व में भारत की किरकिरी हुई थी। इस सबके बावजूद अब तक नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी नहीं हुई।

### दिल्ली पुलिस ने की नियमों की अनदेखी?

जुबैर की गिरफ्तारी पर कानूनी सवाल यह है कि क्या पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए उचित प्रक्रिया का पालन किया था और उन्हें एफआईआर व जांच का नोटिस दिया गया था? अरुणेश कुमार बनाम बिहार राज्य मामले में गिरफ्तारी के दिशा-निर्देश स्पष्ट रूप से कहते हैं कि सजा के रूप में 7 साल से कम कारावास वाले अपराधों के लिए गिरफ्तारी आवश्यक नहीं है, जब तक कि जांच के लिए आवश्यक न हो। फैसले में यह भी कहा गया है कि किसी भी गिरफ्तारी से पहले सीआरपीसी की धारा 41 के तहत जांच का नोटिस जारी किया जाना चाहिए, जिसमें उन्हें जांच में शामिल होने के लिए कहा जाए।

# प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगी योगी सरकार

## » प्राकृतिक खेती के लिए बोर्ड का गठन, 34 जिलों में अभियान शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धरती की रक्षा करनी है तो प्राकृतिक खेती की तरफ जाना ही होगा। इसके लिए आवश्यकता पड़ेगी तो बोर्ड गठन की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। पीएम की मंशा के अनुरूप खेती को विषमुक्त करना है। सीएम 'उप्र सतत एवं समान विकास की ओर' विषय पर आयोजित कान्क्लेव को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी कहा कि यदि देश के पूरे कृषि भू-भाग को बंजर होने से रोकना है तो सभी किसानों को प्राकृतिक खेती अपनानी होगी। सीएम योगी ने कहा कि इस देश में ऋषि और कृषि एक दूसरे से जुड़े थे। गोवंश आधार था। अब फिर से उसी पर जाना होगा।**

कम लागत में केवल प्राकृतिक खेती ही किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ा सकती है। कहा कि गंगा के दोनों तटों पर पांच पांच किमी तक खास तौर से तटवर्ती 27 और बुंदेलखंड के सात यानी कुल 34 जिलों में इस खेती के लिए अभियान शुरू हो चुका है। देश में कृषि पहले नंबर पर और एमएसएमई दूसरे नंबर पर है। आज प्रदेश में 90 लाख एमएमएमई इकाइयां हैं। यदि दोनों एक दूसरे से बेहतर तरीकेसे जुड़ जाएं तो सूरत बदल जाएगी। इसका प्रयास भी चल रहा है। इस

मौके पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि यूएनओ की रिपोर्ट कहती है कि यदि इसी तरह से खेती में रसायनों का प्रयोग होता रहा तो आने वाले साठ साल में खेती की जमीन पूरी बंजर, फर्श जैसी हो जाएगी। इससे बचना है तो प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। सीएम ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद में ऐसे उत्पाद की ब्रांडिंग, मार्केट, तकनीक सभी देने का सरकार प्रयास कर रही है। सिद्धार्थ नगर का कालानमक चावल, मुजफ्फरनगर का गुड़ इसका बड़ा उदाहरण है। सुल्तानपुर के एक किसान ने ड्रेगन फ्रूट तक उगाया तो झांसी की एक बेटी ने छत पर स्ट्राबेरी उगाकर बड़ा लाभ कमाया। ये सब विविधीकरण है जिस पर काम करना होगा। अब वहां एक एकड़ में दस लाख रुपए तक का उत्पादन किया जा रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों को सरकार बढ़ावा दे रही है। वह भी इस अभियान से जुड़ें।

## यूपी में नई एमएसएमई नीति जल्द

लखनऊ। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही नई एमएसएमई नीति लाएगी। इसमें प्रदेश में नए उद्योग लगाने वाले निवेशकों को कई सुविधाओं और छूट की व्यवस्था होगी। एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचेम) की ओर से आयोजित एमएसएमई सम्मेलन में उन्होंने कहा कि 30 जून को राज्य में एक बड़े लोन मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों के करीब एक लाख हस्तशिल्पियों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में ऋण मेले की शुरुआत करेंगे। साथ ही सभी जिलों में भी ऋण मेलों का आयोजन होगा। अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर यूपी एमएसएमई सम्मेलन के आयोजन को लेकर एसोचेम की सराहना करते हुए सचान ने कहा कि पिछले पांच साल के दौरान राज्य में 96 लाख उद्यमियों को 2.5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज दिया गया। प्रदेश को 10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में राज्य सरकार काम कर रही है। एसोचेम के यूपी डेवलपमेंट काउंसिल के सह अध्यक्ष अनुपम मित्तल ने कहा कि यूपी निवेशकों के सबसे अनुकूल राज्यों में अग्रणी है। एसोचेम की चमड़ा एवं फुटवियर समिति के सह अध्यक्ष मोतीलाल सेठी ने कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों की सुविधा के लिए कई कदम उठा रही है।

# द्रौपदी मुर्मू आएंगी लखनऊ, विधायकों से मांगेंगी वोट और समर्थन

## » भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में सरकार और संगठन में बेहतर तालमेल पर हुआ मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा यूपी में अपने सहयोगी दलों के साथ अन्य छोटे दलों के विधायकों के वोट भी जुटाने का प्रयास करेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में देर रात भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल के साथ राष्ट्रपति चुनाव में यूपी के विधायकों और सांसदों के अधिक से अधिक मत जुटाने पर मंथन किया गया। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में राष्ट्रपति चुनाव के लिए भाजपा और सहयोगी दलों के 273 विधायकों, 66 सांसदों के मतों के साथ जनसत्ता दल लोकतांत्रिक और बसपा के एक विधायक और दस सांसदों के वोट जुटाने पर मंथन हुआ।**

सुभासपा और रालोद के विधायकों में भी सेंध लगाने की रणनीति बनाई गई। द्रौपदी मुर्मू आगामी दिनों में लखनऊ आएंगी। वे यहां मुख्यमंत्री आवास पर होने वाले कार्यक्रम में विधायकों से वोट और समर्थन भी मांगेगी। मुख्यमंत्री की ओर से उनके सम्मान में भोज भी दिया जाएगा। बैठक में लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच समन्वय बेहतर बनाने और जमीन पर संगठन के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं की थाना तहसील में सुनवाई के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सरकार के सौ दिन पूरे होने के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों के साथ मंत्री समूहों के मंडलों के दौरे से मिल रहे फीडबैक के बाद तैयार हो रही कार्ययोजना के बारे में बताया। बैठक में विधान परिषद में मनोनीत कोटे के छह सदस्यों के मनोनयन और आजमगढ़ एवं रामपुर उप चुनाव में जीत से प्रदेश में भाजपा के पक्ष में बने माहौल को बरकरार रखने को लेकर भी चर्चा हुई।

# योजना युवाओं के लिए अग्निपथ नहीं बर्बादी का पथ, वापस लें सरकार : हरीश

## » अग्निपथ योजना का विरोध प्रदेशभर में जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**देहरादून। अग्निपथ योजना का विरोध प्रदेशभर में जारी है। प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा और पूर्व सीएम हरीश रावत सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने योजना का युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया। अग्निपथ योजना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि ये योजना युवाओं के लिए अग्निपथ नहीं बल्कि बर्बादी का पथ है।**

अग्निपथ को युवाओं के साथ धोखा बताने के साथ ही उन्होंने इसे देशहित के भी खिलाफ बताया। सरकार की इस योजना के विरोध में

प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस ने योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। रावत ने कहा कि सेना में भर्ती होना उत्तराखंड के युवाओं का हमेशा से सपना रहा है, लेकिन अग्निपथ योजना के माध्यम से सरकार ने उत्तराखंड ही नहीं संपूर्ण देश के युवाओं को छलने का काम किया है। नई टिहरी में भी अग्निपथ योजना के विरोध में कांग्रेसियों ने शहीद स्मारक में प्रदर्शन कर सत्याग्रह किया। केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर भारतीय सेना के गौरव को भी तोड़ने का आरोप लगाया। उत्तरकाशी में कांग्रेसियों ने योजना के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका।

# अभी से करनी है 24 की तैयारी : मायावती

## » कार्यकर्ताओं से संघर्ष जारी रखने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि सिर्फ आजमगढ़ ही नहीं, बल्कि बसपा को पूरे यूपी में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए संघर्ष व प्रयास लगातार जारी रखना है। इसी क्रम में एक समुदाय विशेष को चुनावों में गुमराह होने से बचाना भी बहुत जरूरी है। बसपा प्रमुख ने ट्वीट के जरिए फिर से आजमगढ़ चुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी और अपनी आगे की तैयारियों के बारे में भी बात की।**

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में जिस संघर्ष व दिलेरी के साथ गुड्डू जमाली ने चुनाव लड़ा उसे आने वाले लोकसभा चुनाव तक जारी रखने का संकल्प जरूरी है। मायावती ने कहा कि चुनाव अभी दूर है, मगर तैयारी अभी से करनी है। उन्होंने कहा कि संगठन के लोग पंचायतों का भ्रमण करें, जनता की बात सुने। जनता की संबंधित समस्याओं को हल कराने का ज्यादा से ज्यादा प्रयास करें। चुनावी मुस्तैदी इसी तरह बनाए रखनी होगी। उधर पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने कू पर लिखा कि पार्टी के सभी छोटे और बड़े, जिम्मेदार लोगों व कार्यकर्ताओं को और मजबूती के साथ आगे बढ़ना है।

# आजादी के बाद भारत में पहली बार हो रही शतरंज ओलंपियाड प्रतियोगिता : अरविंद शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शतरंज की शुरुआत भारत से हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी एक फिर इसकी जड़ें लाकर दोबारा देश में स्थापित कर रहें है। जो ऐतिहासिक कार्य है। ये बातें उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने अयोध्या में कहीं।**

ऊर्जा मंत्री आज सुबह डॉ राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित अखिल भारतीय शतरंज महासंघ प्रथम शतरंज ओलंपियाड रिले कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में शतरंज ओलंपियाड का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले 1927 में ओलंपियाड देश में आयोजित किया गया था। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर कई चीजें शुरू हो रही है, जिसमें शतरंज का ओलंपियाड भी शामिल है। लगभग 100 वर्षों के अंतराल पर यह ओलंपियाड को भारत आने का अवसर मिला है।

# अब गढ़ के नए 'आजम' निरहुआ

» लोक सभा उपचुनाव में निरहुआ ने सपा के धर्मेंद्र यादव को हराया

» निरहुआ ने सैफई परिवार से 2019 का भी हिसाब चुकता किया

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में भाजपा की जीत हुई है। आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी निरहुआ ने सपा के धर्मेंद्र यादव को 8,679 वोटों से हराया जबकि ये सीट सपा का गढ़ मानी जाती रही है। निरहुआ के सांसद बनने से अब एक तरीके से सपा का वर्चस्व कम होगा और गढ़ के नए आजम निरहुआ होंगे। आजमगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इस्तीफा देने के चलते ये सीट खाली हुईं थीं। आजमगढ़ से इसके पहले 2009 में भाजपा के रमाकांत यादव चुनाव जीते थे जबकि रामपुर से 2014 में भाजपा से डॉ. नेपाल सिंह ने जीत हासिल की थी।

वहीं आजम खान के गढ़ रामपुर में भाजपा के घनश्याम लोधी ने सपा प्रत्याशी आसिम राजा को 42 हजार वोटों से मात दी। गौरतलब है कि 2014 के लोक सभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव को 340306 मत मिले थे। जबकि भाजपा प्रत्याशी रमाकांत यादव को 277102 मत मिले। 2014 के लोक सभा चुनाव में भी बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को 266528 मत मिले थे। 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा-बसपा राष्ट्रीय लोक दल व कांग्रेस के समर्थन हासिल करने के बावजूद जहां सपा ने 621578 मत हासिल किए थे। वहीं भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने 361704 वोट पा सके थे। 2014 के लोक सभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव को मिले मतों से 21000 ज्यादा था। 2022 के लोक सभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ को 312768 मत, सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव को 304088 मत जबकि बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को 266210 वोट मिले हैं। निरहुआ ने 8679 मतों से जीत दर्ज करके सैफई परिवार से अपना हिसाब चुकता कर लिया है। हालांकि सपा ने इस सीट को जीतने के लिए पूरी घेराबंदी की थी पर आजमगढ़ का ताज निरहुआ के सिर पर ही बंधा।

## जनता की सेवा करना पहला लक्ष्य : निरहुआ

आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ ने जीत का सर्टिफिकेट लेने से पहले मां का आशीर्वाद लिया। निरहुआ ने अपनी मां के पैर पर सिर रखकर आशीर्वाद लिया। मां-बेटे के बीच भोजपुरी भाषा में हुए इस संवाद को भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया। मां ने निरहुआ को नसीहत देते हुए कहा कि चुनाव जीत कर सबकी कद्र करना। चुनाव जीत के बैठ मत जाना। जनता की गाली नहीं सुनना बल्कि जनता की सेवा करना। भाजपा प्रत्याशी निरहुआ ने भी अपनी मां से वादा किया कि जनता की सेवा करूंगा, यही हमारा लक्ष्य है।

"यह आजमगढ़ की उम्मीद की जीत है। उनको (अखिलेश यादव को) पता था कि वे यहां नहीं जीत पाएंगे इसलिए वे यहां प्रचार करने नहीं आए। यह (आजमगढ़) भाजपा का गढ़ हो चुका है। चप्पा-चप्पा भाजपा हो चुका है।
निरहुआ, सांसद

"बीजेपी-बसपा के गठबंधन को जीत की बधाई दूंगा। आजमगढ़ के चुनाव में यह गठबंधन पहले से ही चल रहा था। अगर वे दोनों गठबंधन करके मुझे हराकर खुश हैं, तो वे अपनी खुशी का इजहार जरूर करें।
धर्मेंद्र यादव, प्रत्याशी सपा

"हार-जीत चलती रहती है। 2024 में फिर और मजबूती से आएंगे। सपा ने हमारे वोट काट दिए इसलिए मैं हार गया। राजनीति में हर कोई जीतने के लिए आता है। भाजपा प्रत्याशी निरहुआ को जीत की बहुत-बहुत बधाई।
गुड्डू जमाली, प्रत्याशी बसपा

## आजमगढ़ में 49.48 फीसदी हुआ था मतदान

आजमगढ़ में 49.48 फीसदी प्रतिशत मतदान हुआ था। यहां पांच विधानसभाएं हैं मुबारकपुर, आजमगढ़, मेंहनगर, सगड़ी और गोपालपुर। मुबाकरपुर में सबसे ज्यादा 51.70 फीसदी मतदान हुआ। सगड़ी में 49.46 फीसदी, गोपालपुर में 49.91 और सबसे कम मेंहनगर में 46.57 फीसदी मतदान हुआ था। आजमगढ़ उपचुनाव में 13 प्रत्याशी मैदान में थे।

# आजमगढ़: बसपा में जगी दलित-मुस्लिम गठजोड़ की उम्मीद

## 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए कार्यकताओं को अभी से किया सक्रिय

» हार के बावजूद मुस्लिम मतों में हिस्सेदारी बढ़ने की आशा बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दो संसदीय सीटों में से सिर्फ आजमगढ़ में उपचुनाव लड़ने वाली बसपा हार के बावजूद राहत महसूस कर रही है। यादव बहुल आजमगढ़ सीट पर उपविजेता सपा से मात्र 37,879 कम वोट बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मिले हैं। इसे कांटे की टक्कर बता रहीं पार्टी मुखिया मायावती को विश्वास है कि मुस्लिमों के पूरी तरह छिटक जाने का उनकी राह में जो कांटा था वह काफी हद तक निकल चुका है। हार में जीत देखते हुए उन्होंने खासकर समुदाय विशेष का समझाने का प्रयास जारी रखने की बात कही है।

रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा सीट पर हुए उपचुनाव में से बसपा प्रमुख मायावती ने सिर्फ आजमगढ़ में प्रत्याशी उतारा। रामपुर में जहां सिर्फ भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला था, वहीं सपा के गढ़ रहे आजमगढ़ में बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली ने मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया। भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ के पीछे-पीछे कुछ वोटों के अंतर से सपा के धर्मेंद्र यादव अंतिम परिणाम घोषित होने तक चलते रहे तो धर्मेंद्र के पीछे-पीछे जमाली रहे। चुनाव भाजपा जीती लेकिन सपा और बसपा के बीच अंतर 37,879 वोटों का ही रहा। चूंकि, यहां यादव सबसे अधिक है इसलिए बसपा मान रही है कि उसे दलित वोट के साथ मुस्लिम मत भी अच्छा-खासा मिला है। इस परिणाम से 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए हौसला मिल चुका है कि भाजपा को हराने के लिए अल्पसंख्यक वर्ग बसपा को विकल्प के रूप में चुन सकता है। बसपा की अब यही चुनावी रणनीति रहेगी, इसका संकेत मायावती ने अपने ट्वीट से दे दिया।

## कैसे जीती भाजपा

रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा सीट पर उपचुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ। भाजपा ने ये दोनों सीटें सपा से छीन लीं। रामपुर में भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी ने करीब 42 हजार मतों से समाजवादी पार्टी के आसिम रजा को मात दी। वहीं, आजमगढ़ में भोजपुरी गायक और भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई धर्मेंद्र यादव को हराया। भाजपा की जीत के कई कारण हैं। आजमगढ़ लोक सभा सीट के तहत मेंहनगर, आजमगढ़ सदर, मुबारकपुर, सगड़ी और गोपालपुर विधान सभा सीटें आती हैं। यहां यादव और मुस्लिम वोटर्स की संख्या सबसे ज्यादा है। दलित और कुर्मी वोटर्स भी निर्णायक भूमिका में हैं। आमतौर पर यादव वोटर्स सपा के साथ जाते हैं लेकिन लोक सभा चुनाव हारने के बाद भी स्थानीय स्तर पर निरहुआ जनता के बीच रहकर काम कर रहे थे। इसका फायदा उन्हें मिला। वहीं, मुस्लिम वोट शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली और सपा के धर्मेंद्र यादव में बंट गए। रामपुर में सबसे ज्यादा मुस्लिम मतदाता हैं। इसके बाद लोधी, सैनी और दलित मतदाताओं की संख्या भी काफी है। घनश्याम लोधी इन जातियों पर अच्छी पकड़ रखते हैं। इसके अलावा अन्य ओबीसी और सामान्य वर्ग ने भी भाजपा का साथ दिया। चूंकि इस बार बसपा और कांग्रेस ने भी चुनाव नहीं लड़ा इसलिए हिंदुओं का वोट भी एकजुट हो गया और लोगों ने भाजपा को समर्थन दे दिया। आजम खां और अखिलेश यादव के बीच मतभेद की खबरें खूब सामने आईं। इसका असर भी पड़ा। इसके अलावा अखिलेश यादव का प्रचार से दूर रहना और सीएम योगी का क्रेज भी भाजपा की जीत का कारण बना।

## क्या कहा मायावती ने

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, उपचुनावों को सत्ताधारी दल ही अधिकतर जीतता है फिर भी आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में बसपा ने सत्ताधारी भाजपा व सपा के हथकंडों के बावजूद जो कांटे की टक्कर दी है, वह सराहनीय है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। यूपी के इस उपचुनाव परिणाम ने एक बार फिर से यह साबित किया है कि केवल बसपा में यहां भाजपा को हराने की सैद्धांतिक व जमीनी शक्ति है। यह बात पूरी तरह से खासकर समुदाय विशेष को समझाने का पार्टी का प्रयास लगातार जारी रहेगा ताकि प्रदेश में बहुप्रतीक्षित राजनीतिक परिवर्तन हो सके।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# गिग इकोनॉमी का बढ़ता दायरा

*भारत में गिग इकोनॉमी का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। गिग वर्कर कई क्षेत्रों में अपनी दक्षता का लोहा मनवा रहे हैं। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है। इसके मुताबिक 2029-30 तक देश के करीब 2.35 करोड़ लोग गिग इकोनॉमी यानी घर बैठकर ऑनलाइन काम कर अपनी आजीविका चलाएंगे। यह आबादी देश के कुल मानव शक्ति का 4.1 फीसदी है। सवाल यह है कि गिग इकोनॉमी का दायरा तेजी से क्यों बढ़ रहा है? युवाओं में इसकी लोकप्रियता का कारण क्या है? क्या रिटेल, ट्रेड और सेल्स के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी इसका जल्द विस्तार हो सकेगा? क्या सरकार ऐसे लोगों की सामाजिक सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगी? क्या निकट भविष्य में कृषि क्षेत्र को गिग इकोनॉमी से जोड़ा जा सकेगा? क्या आने वाले दिनों में देश से ऑफिस कल्चर खत्म हो जाएगा?*

*कोरोना काल में जब दुनिया के तमाम देश लंबे लॉकडाउन के कारण ठप पड़ गए थे तब गिग वर्कर ने ही आर्थिक गतिविधियों को जारी रखा। कंपनियों के काम होते रहे और लॉकडाउन के खत्म होने के तत्काल बाद आर्थिक गतिविधियों को दोबारा संचालित करने में कोई खास बाधा नहीं आई। भारत में भी इसे तेजी अपनाया जा रहा है। दरअसल, गिग वर्कर उन्हें कहा जाता है जो परंपरागत कामगारों से अलग तरीके से काम करते हैं। वे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जुड़कर अपनी स्किल के अनुसार घर बैठे काम करते हैं और उनके दिनभर के काम के घंटे भी परंपरागत वर्कर की तुलना में कम होते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी के मुताबिक लगभग 26.6 लाख गिग वर्कर रिटेल, ट्रेड और सेल्स के क्षेत्र में काम कर रहे हैं जबकि 13 लाख लोग ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में काम कर रहे हैं। वहीं 6.3 लाख निर्माण और 6.2 लाख बीमा और फाइनेंस सेक्टर से जुड़े हैं। वर्तमान में 47 प्रतिशत गिग वर्कर मीडियम स्किल जॉब में हैं जबकि 22 प्रतिशत हाई स्किल और 31 प्रतिशत लो स्किल जॉब में हैं। भारत में 2029-30 तक लगभग 2.35 करोड़ गिग इकोनॉमी से जुड़ जाएंगे यानी इतने लोग घर से ऑनलाइन काम कर अपना जीवनयापन करेंगे। आंकड़ों के मुताबिक 2020-21 में गिग इकोनॉमी से तकरीबन 77 लाख लोग जुड़े। साफ है आने वाले समय में घर से काम करने वालों की संख्या में इजाफा होगा। यह देश की पारंपरिक अर्थव्यवस्था को न केवल बदल देगी बल्कि लेन-देन के तरीकों में भी आमूल बदलाव कर देगी। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। हालांकि ऐसे वर्कर के लिए सामाजिक सुरक्षा बड़ी समस्या है। लिहाजा केंद्र और राज्य सरकारों को जरूरी कदम उठाना होगा।*

**“ भारत में गिग इकोनॉमी का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। गिग वर्कर कई क्षेत्रों में अपनी दक्षता का लोहा मनवा रहे हैं। नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट भी इसकी पुष्टि करती है। इसके मुताबिक 2029-30 तक देश के करीब 2.35 करोड़ लोग गिग इकोनॉमी यानी घर बैठकर ऑनलाइन काम कर अपनी आजीविका चलाएंगे। यह आबादी देश के कुल मानव शक्ति का 4.1 फीसदी है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# लोक सभा उपचुनाव परिणामों का संदेश

अशोक मधुप

देश की तीन लोक सभा सीट पर उपचुनाव हुए। तीनों उपचुनाव के परिणाम बहुत कुछ कहते हैं। राजनीति की नई दिशा की ओर इशारा भी करते हैं। उत्तर प्रदेश में दो लोक सभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा की जीत ने यह साबित कर दिया कि नुपूर शर्मा की विवादास्पद टिप्पणी हो या केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना का विरोध भाजपा के प्रति वोटर की दीवानगी पर कोई असर नहीं पड़ा। वह पूरी तरह भाजपा के साथ है। भाजपा ने रामपुर में पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के दबदबे और आजमगढ़ में मुलायम सिंह के परिवार के दबदबे वाली सीट पर जीत हासिल कर बता दिया कि उसकी पूरी तरह से आस्था प्रदेश की डबल इंजन वाली सरकार में है जबकि पंजाब के संगरूर लोक सभा उपचुनाव के नतीजों में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। यहां पर शिरोमणि अकाली दल के सिमरनजीत सिंह मान जीते हैं। सिमरनजीत सिंह मान ने आम आदमी पार्टी के गुरमेल सिंह को परास्त किया है।

उत्तर प्रदेश और पंजाब में विधान सभा चुनाव को अभी तीन माह ही हुए हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा ने पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। इन तीन माह में भाजपा की प्रवक्ता नुपूर शर्मा की पैगंबर मुहम्मद साहब के बारे में विवदास्पाद टिप्पणी का देश के साथ ही पूरे उत्तर प्रदेश में विरोध हुआ। कई जगह प्रदर्शन के दौरान हिंसा भी हुई। केंद्र सरकार की सेना में भर्ती के लिए आई अग्निपथ योजना का भी प्रदेश में जगह-जगह विरोध हुआ। लगता था कि यह हाल का मामला है, अत: इसका चुनाव पर असर नजर आएगा किंतु रामपुर और आजमगढ़ के मतदाताओं ने सभी अनुमानों का फेल कर दिया। रामपुर मुस्लिम बहुल सीट है। 1952 से अब तक हुए लोक सभा के 17 चुनाव में इस सीट से मुस्लिम प्रत्याशी ने 11 बार और हिंदू प्रत्याशी ने मात्र छह बार विजय हासिल की है। इस सीट पर पूर्व मंत्री रहे आजम खां का बड़ा प्रभाव माना जाता है। हाल के विधान सभा चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की थी। इस उपचुनाव में भाजपा ने घनश्याम लोधी को प्रत्याशी बनाया। 2022 विधान सभा चुनाव से ठीक पहले लोधी ने सपा को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। आजम खां के लोक सभा सीट छोड़ने पर उपचुनाव का ऐलान हुआ तो भाजपा ने घनश्याम लोधी को उम्मीदवार बना दिया। सपा ने आजम खां के करीबी आसिम रजा को टिकट दिया लेकिन घनश्याम लोधी ने 42 हजार मतों से जीत हासिल की।

आजमगढ़ लोक सभा सीट पूर्व मुख्यमंत्री और सपा नेता अखिलेश यादव की परम्परागत सीट बताई जाती रही है। 2019 के चुनाव में अखिलेश यादव को 64.04 प्रतिशत मत मिल पाए थे जबकि इस बार के विजेता और 2019 चुनाव के भाजपा प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ को मात्र 35 प्रतिशत वोट मिले थे। यहां से निरहुआ विजयी रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रामपुर व आजमगढ़ लोक सभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत पर कहा कि यह डबल इंजन वाली सरकार की डबल जीत है जोकि लोक सभा चुनाव 2024 के लिए एक संदेश है। चुनाव परिणाम बताता है कि जनता परिवारवादी और सांप्रदायिक दलों और नेताओं को स्वीकार करने वाली नहीं है। जनता भाजपा के सबका साथ सबका विकास के नारे के साथ है। चुनाव परिणाम से यह स्पष्ट है कि भाजपा 2024 में यूपी की 80 में से 80 लोक सभा सीटों पर जीत की ओर बढ़ रही है।

पंजाब के संगरूर इलाके के जरिए राष्ट्रीय राजनीति में खुद को स्थापित करने के सपने पाल रही आम आदमी पार्टी के लिए अपने ही गढ़ के लोक सभा उपचुनाव में मिली हार किसी बड़े झटके से कम नहीं है। तीन माह पहले इसी आम आदमी पार्टी ने पंजाब विधान सभा चुनाव के दौरान इतिहास रचा था और सभी नौ विधान सभा सीटें साठ फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करके जीतीं थीं। एक ही झटके में आप की सियासी पकड़ ढीली पड़ गई और आप का सियासी किला ध्वस्त हो गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान अपने गृह इलाके को आप की सियासी राजधानी बताते हैं। ऐसे में सिमरनजीत सिंह के संगरूर का नया मान बनने के साथ आप के हाथ से राजधानी निकल गई है। उनके गृह क्षेत्र के लोगों ने इस फैसले के साथ आप सरकार की तीन माह की कारगुजारी को कटघरे में खड़ा कर दिया है। पंजाब की यह हार वहां की आप सरकार की घटती लोकप्रियता को जाहिर करती है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले कहें कि ये चुनाव 2024 के लोक सभा चुनाव के लिए भविष्यवाणी है किंतु आगामी लोकसभा चुनाव में अभी समय है। चुनाव एक दिन में बदलता है, ऐसे में भविष्यवाणी करना ठीक नहीं।

# युवाओं को मिले सुरक्षित भविष्य का भरोसा

सुरेश सेठ

अचानक अपना देश अपनी मूल समस्या के सामने आकर खड़ा हो गया है। भ्रष्टाचार, महंगाई, नौकरशाही और सेहत उपचार में सुधार या शिक्षा के नये क्षितिज खोलना बेशक अपने देश की आधारभूत समस्याएं हैं लेकिन इनसे भी बड़ी एक और मूल समस्या देश में युवकों को रोजगार देना है। बेशक पिछले दो वर्ष महामारी की असामान्य परिस्थितियों के कारण बहुत विकट थे। पहले बरस की शुरुआत पूर्णबंदी अथवा लॉकडाउन से हुई थी, इसके बाद अपूर्ण बंदी की स्थिति में भी जनजीवन असामान्य हो गया। महामारी की पहली और दूसरी लहर ने आर्थिक गतिविधियों को निस्पंद कर दिया। भीतरी, बाहरी व्यवसाय पर अवसाद और मन्दी के साये गहरा गये। देश की युवा पीढ़ी के लिए तो पहले ही शिक्षा अनुसार रोजगार की कोई गारंटी नहीं थी, अब निवेश और उत्पाद का ग्राफ यूं गिरा कि बड़े पैमाने पर मौजूदा रोजगार पर भी छंटनी और विस्थापन के साये मंडराने लगे।

सरकार ने अपना दायित्व निभाने के नाम पर देशवासियों को भूख से न मरने देने की गारंटी तो दे दी लेकिन उनकी शिक्षा और योग्यता के अनुसार उन्हें उचित काम देने की कोई गारंटी नहीं दी। शहरी बेकारी की समस्या तो पहले ही विकट थी और अपना समाधान पलायन में तलाश रही थी। अब उन्हें नयी नौकरियां तो क्या मिलनी थी, कामगारों की लगी-लगायी नौकरियां भी छूट गयीं। जो निष्क्रमण पहले गांवों की आर्थिक दुरावस्था के कारण शहरों, महानगरों और औद्योगिक अंचलों में हुआ था वह अब महानिष्क्रमण बनकर वापस गांवों की ओर लौटने लगा। वहां काम नहीं था। भूख और बेकारी के साथ बीमारी और महामारी के साये उन पर गहराने लगे थे। वे अपनी पैतृकधरा, गांवों की ओर न लौटते तो और क्या करते? वे वापस लौटे तो पाया कि चाहे देश की कृषि क्षेत्र की सक्रियता ने ही देश को मृत्यु विभीषिका के विस्तृत प्रसार से बचाया था, लेकिन कृषि भी लघु अनार्थिक जोतों से घिरी, कृषि क्रांति से वंचित और रूढ़िवादी जीवन निर्वाह खेती थी। चन्द फसलों तक सिमटी पहली कृषि क्रांति ने उत्तरी भारत में जल्द दम तोड़ दिया था और द्वितीय कृषि क्रांति करने का साहस देश का कोई कोना न जुटा पाया था। सरकार ने किसानों को नारे अवश्य दिये थे कि शीघ्र ही आपकी कृषि आय दोगुनी कर दी जायेगी, लेकिन फसल कीमतों के लिए न तो उन्हें स्वामीनाथन मॉडल दे पायी थी और न ही नियमित मंडियों में एमएसपी पर खरीद की गारंटी। छोटे किसान की आय क्या दुगनी होती अब भी वह तो बमुश्किल जीवन निर्वाह खेती पर टिका था। फिर भारत में रोजगार और काम का ढांचा ऐसा है कि नियमित-अनियमित, काम धंधा करने वाले दिहाड़ीदार, फड़ीवाले और रेहड़ी वाले अधिक हैं। महामारी के पहले झटके में ये सब लोग अपना काम खो बैठे और अब संक्रमण का दबाव घटने पर अपने गांवों से शहरों की ओर लौटने को तैयार नहीं थे क्योंकि स्थिति सामान्य हो जाने के दावों के बीच रूस-युक्रेन युद्ध के तांडव से लेकर पर्यावरण प्रदूषण से जलवायु के असाधारण परिवर्तन ने ऐसा आपूर्ति का संकट पैदा कर दिया था कि थोक और फुटकर महंगाई ने अपनी वृद्धि के सभी रिकॉर्ड बनाये और कालाबाजारी ने बनावटी कमी पैदा कर दी।

नतीजा असाधारण मन्दी से जीवन का अभिशप्त होते जाना, निवेशकों का हतोत्साह और विकास दर का उम्मीद से कम रह जाना निकला। नौकरियों के द्वार इस विस्थापित जनशक्ति के लिए शहरों में पुन: उस प्रकार नहीं खुले। जिन्हें नौकरियां वापस मिलीं वह भी पहले से कम वेतन पर मिलीं। सरकार ने लघु और कुटीर उद्योगों को जीवन दान देने की घोषणा तो कर दी। लेकिन केवल घोषणा ही। उधर, स्टार्टअप उद्योगों को प्रोत्साहन देने और 'स्किल इंडिया' अभियान के द्वारा उन्हें नये कार्य कौशल में प्रशिक्षित करके रोजगार देने के बावजूद नतीजा टांय-टांय फिस्स निकला। उम्मीद से कही कम उपलब्धि हुई और बेकारी के आंकड़े सुरक्षित सीमा रेखा से कहीं अधिक नजर आ रहे हैं। वैसे असली बेरोजगारी इससे कहीं अधिक है क्योंकि इनमें पैतृक धंधों और खेती बाड़ी में लगे हुए अर्ध बेरोजगार और मनरेगा जैसी योजनाओं में लगे लोग शामिल नहीं थे। ऐसी विकट परिस्थितियों में पिछले दिनों जब भारत सरकार ने बेरोजगारी की समस्या से जूझने की कवायद के तहत दस लाख विभिन्न सरकारी विभागों की नौकरियां भरने, अथवा सेना में हर वर्ष चार वर्ष के लिए नौजवानों को भर्ती कर उनमें से एक-चौथाई को स्थायी नौकरी देने की घोषणा की, तब मूल बेकारी की समस्या अपनी संपूर्ण विकरालता के साथ सामने आ खड़ी हो गयी। अपने असंतोष और क्रोध का प्रदर्शन युवा पीढ़ी ने विस्तृत पैमाने पर राष्ट्रीय संपदा की हानि एवं हिंसा के साथ किया है लेकिन बेकारी पर नवनिर्माण का दृष्टिकोण अपनाने की बजाय दलीय राजनीति होने लगी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के सामने सीना ठोक कर खड़े होते नजर आये हैं। समस्या से जूझने का यह उचित तरीका नहीं। यह समय उस भरोसे के निर्माण का है जिसमें युवा पीढ़ी को लगे कि उनका भविष्य सुरक्षित है। केवल सरकार और सेना क्षेत्र में ही नहीं निजी क्षेत्र के देश के प्रति उत्तरदायी रवैये में भी यह आभासित हो। आज गारंटी केवल उचित काम देने की ही न मिले बल्कि वह माहौल देने की भी मिले, जिसमें हर युवा इकाई अपने आपको दिशाहीन और असंरक्षित नहीं, बल्कि आजीवन सुरक्षित और संरक्षित पाये। अब निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की ईमानदार भागीदारी इस दायित्व को संभाले, अगर देश को विकासशील रहना है तो।

# मॉनसून में बालों का ऐसे रखें ख्याल

# हेयर फॉल से मिलेगा छुटकारा

बारिश का मौसम कई लोगों को पसंद होता है। कुछ लोग बारिश इन्जॉय करने के शौकीन होते हैं तो कुछ लोग गर्मी से छुटकारा पाने के चलते मॉनसून के आने से खुश हो जाते हैं। हालांकि मॉनसून के कुछ साइड इफेक्ट भी होते हैं। हेयर फॉल भी इन्हीं में से एक है। अगर आप चाहें, तो कुछ खास तरह से बालों की केयर करके मॉनसून में हेयर फॉल से छुटकारा पा सकते हैं। दरअसल बारिश के दौरान हेयर फॉल की प्रॉब्लम कॉमन होती है. महंगे हेयर प्रोडक्ट यूज करने के बाद भी बालों का टूटना बंद नहीं होता है.इसीलिए हम आपसे शेयर करने जा रहे हैं मॉनसून के कुछ खास हेयर केयर टिप्स. जिसे फॉलो करके आप हेयर फॉल से चुटकियों में छुटकारा पा सकते हैं।

## हेयर वॉश है जरूरी

बरसात के मौसम में अक्सर बाल गीले हो जाते हैं। ऐसे में यादातर लोग गीले बालों को सुखाकर बांध लेते हैं, जिसके चलते बाल कमजोर होकर झड़ने शुरू हो जाते हैं। इसलिए बारिश के पानी में बाल भीगने पर माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश करके साफ पानी से बालों को धोएं और हवा में सुखाने के बाद ही बालों को बांधें।

## ड्राई शैंपू का करें इस्तेमाल

बारिश में बाल गीले हो जाने पर इन्हें ऐसे ही छोड़ने की भूल न करें। ऐसे में सबसे पहले गीले बालों को पेपर टॉवल से प्रेस करके पानी निकाल दें। अब स्कैल्प को छोड़कर बालों के सभी हिस्सों पर ड्राई शैंपू स्प्रे करें और साफ पानी से हेयर वॉश करना न भूलें।

## डाइट पर करें फोकस

मॉनसून में हेयर फॉल कंट्रोल करने और बालों को हेल्दी रखने के लिए डाइट पर ध्यान देना न भूलें। तला-भुना और जंक फूड खाने से बचने की कोशिश करें। अगर आप ये चीजें खाते हैं, तो आपके हेयर फॉल में इजाफा हो सकता है।

## शॉर्ट हेयर कट लें

मॉनसून में बालों को छोटा रखने की कोशिश करें। इससे आपको हेयर केयर करने में ज्यादा मुश्किल नहीं आएगी और आपका हेयर फॉल भी खुद-ब-खुद कम होने लगेगा।

## बालों को करें कवर

कई लोग हेयर केयर रूटीन फॉलो करते हुए केवल बारिश होने के दौरान ही बालों को कवर करना जरूरी समझते हैं। जबकि मॉनसून में बारिश न होने के बावजूद, घर से बाहर निकलते समय हमेशा बालों को स्कॉर्फ या फिर हैट से कवर करके ही रखना चाहिए।

## बालों को करें मॉइश्चराइज

बारिश के मौसम में बालों को पोषण देने के लिए ऑयल बेस्ड सीरम का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है। इसके अलावा हर 15 दिन पर बालों की डीप कंडीशनिंग करें. साथ ही मॉनसून में चाय और कॉफी जैसे कैफीन प्रोडक्ट का कम से कम सेवन करें।

## हंसना मना है

पत्नी: आप मुझे बार-बार सॉरी मत बोला करो! पति: क्यों? पत्नी: क्योंकि मेरा लड़ने का सारा मूड ही खराब हो जाता है।

एक शराबी आंखें दान करने गया। काउंटर क्लर्क ने पूछा कुछ कहना चाहते हो? शराबी : हाँ, जिसे भी लगाओ, उसे बता देना 2 घूंट लेने के बाद ही खुलती है।

बाबाजी ने दिया परम सत्य ज्ञान... जिंदगी की भागदौड़ में सेहत का भी ख्याल रखिए ऐसा ना हो कि आप पीछे रह जाएं और पेट आगे निकल जाए।

पतिदेव: बाबाजी, सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मंत्र बताइए। बाबाजी: बेटा जब तक मुंह बंद और पर्स खुला रहेगा, कृपा आती रहेगी।

महिला: हेलो सर, मैं आपसे मिलकर कुछ बात करना चाहती हूं। आप मेरे एक बच्चे के पिता हैं। आदमी हैरान होकर बोला: क्या! तुम प्रिया हो? महिला: नहीं। आदमी: फिर श्वेता? महिला: नहीं। आदमी: तो सिमरन हो? महिला: नहीं सर, नहीं! मैं आपके बेटे की क्लास टीचर हूं।

कल एक शादीशुदा को उसका रिश्तेदार शादी का कार्ड देने आया तो उसने सहज स्वभाव पूछ लिया घटनास्थल कहां है?

## कहानी — एक थी सरुमा

असम के ग्वालपाड़ा जिले में एक नदी के किनारे लक्ष्मीनंदन साहूकार रहता था। घर में पत्नी व एक बच्ची सरुमा के सिवा कोई न था। परंतु भाग्य पर किसका बस चला है? तीन दिन के बुखार में ही सरुमा की मां के प्राण जाते रहे। लक्ष्मीनंदन ने सरुमा को बहुत समझाया परंतु बच्ची दिन-रात मां के लिए रोती रहती। लक्ष्मीनंदन के चाचा ने उपाय सुझाया, क्यों न तुम दूसरा ब्याह कर लो, बच्ची को माँ भी मिल जाएगी। तुम्हारा घर भी संवर जाएगा। साहूकार ने सोच-विचारकर दूसरे विवाह का फैसला कर लिया। सरुमा की सौतेली माता का स्वभाव अच्छा न था। साहूकार को राजा के काम से कुछ महीने के लिए बाहर जाना पड़ा। उसके घर से निकलते ही मां ने सरुमा के हाथ में मछली पकड़ने की टोकरी थमाकर कहा, चल अच्छी अच्छी खावाई मछलियां पकड़ कर ला। बेचारी छोटी-सी सरुमा को मछलियां पकड़नी नहीं आती थीं। वह नदी किनारे बैठकर रोने लगी। तभी पानी में हलचल हुई और एक सुनहरी मछली ने पानी से सिर निकाला। सरुमा बिटिया कि मैं तुम्हारी मां हूं। तुम रोती क्यों हो? उसकी बात सुनकर मछली ने उसे खाने को भोजन दिया और उसकी टोकरी मछलियों से भर दी। विमाता को पता लगा तो उसने सरुमा का नदी पर जाना बंद करवा दिया। एक दिन चिलचिलाती धूप में उससे बोली, चलो, सारे बाग को पानी दो। भूखी-प्यासी सरुमा पेड़ के नीचे बैठी रो रही थी। उसकी मरी हुई मां एक तोते के रूप में आई। उसने सरुमा को मीठे-मीठे फल खाने को दिए और रोज आने को कहा। विमाता तो सरुमा को भोजन देती नहीं थी। सरुमा रोज पेड़ के नीचे बैठ जाती और तोता उसे मीठे-मीठे फल खिलाता। सौतेली मां ने यह बात सुनी तो वह पेड़ ही कटवा दिया। सरुमा का बाग में जाना भी बंद हो गया। फिर उसकी मां एक गाय के रूप में आने लगी। सौतेली माँ ने देखा कि सरुमा तो दिन-रात मोटी हो रही है। उसने पता लगाया कि एक गाय रोज सरुमा को अपना दूध पिलाती है। सौतेली माँ ने गाय को मारने की कोशिश की परंतु गाय उसे ही सींग मारकर भाग गई। वह गुस्से से आग-बबूला हो गई। सरुमा पर कड़ी नजर रखी जाने लगी। कुछ दिन बाद उसने देखा कि सरुमा घर के पिछवाड़े खेती में से टमाटर तोड़कर खाती है। उसने वह पौधा बेरहमी से उखाड़ दिया। सरुमा को एक कमरे में बंद कर दिया। भोली-भाली सरुमा को उसने पीने के लिए पानी तक न दिया। सरुमा की मां ने एक चूहे का रूप धारण किया। उस अंधेरे कमरे में वह सरुमा के सामने जा पहुंची। आंखों में आंसू भरकर बोली-सरुमा मत रो, मैं आई हूं तेरे लिए भुने कराई (अनाज का मिश्रण) लाई हूं सरुमा ने जी भरकर कराई खाया ओर मां द्वारा लाया गया पानी पिया। बंद कमरे में भी सरुमा फल-फूल रही है, यह देखकर सौतेली माँ ने उसे जान से मारने का निश्चय कर लिया। सरुमा की माँ ने उसे ऐसे वस्त्र दे दिए, जिसे पहनकर वह सुरक्षित हो गई। उन वस्त्रों पर तलवार के वार का असर नहीं होता था। सौतेली माता का हर वार खाली गया। साहूकार लौटा तो सरुमा के लिए बहुत-सा सामान लाया।

## 10 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — आज आपकी कार्यस्थल पर किसी आकर्षक व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। कार्यस्थल तक रोमांस करने से बचें। किसी गलतफहमी के कारण रिलेशनशिप में परेशानी आ सकती है।

**वृषभ** — आज वर्क प्लेस पर कोई बात बिगड़ जाएगी, जिससे संभालना आपके लिए मुश्किल होगा। ऐसे में साथी का साथ और अपनापन परेशानी से बाहर निकालेगा। लव लाइफ में उतार-चढ़ाव रहेंगे।

**मिथुन** — आज का दिन पार्टनर के साथ बिताएंगे। साथी से आज भरपूर प्यार मिलेगा। लव लाइफ का आनंद उठा पाएंगे। आज का दिन आपके लिए अच्छा साबित होगा। आपको पार्टनर से उपहार मिल सकता है।

**कर्क** — आज सिंगल किसी दिलफेंक आशिक की तरह सोशल मीडिया पर फर्ल्ट करके अपना दिल बहलाएंगे। अन्य अपनी लव लाइफ में रोमांस करने के नए-नए तरीके अपनाएंगे।

**सिंह** — आज आप लव लाइफ से जुड़ा फैसला कर पाएंगे। साथी के साथ बहस ना करें। आज के दिन शुरु हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है।

**कन्या** — आज कहीं बाहर घुमना-फिरना होगा। जहां आप दोनों मिलकर खूब मौज-मस्ती करने वाले हैं। लव लाइफ को लेकर दोनों बहुत उत्साहित रहेंगे लेकिन परिस्थितियां कुछ ऐसी हो जाएंगी की मनचाहे आनंद नहीं ले पाएंगे।

**तुला** — जो लोग रिलेशनशिप में हैं उनको प्रेमी से खूब रोमांस करने का मौका मिलेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध अच्छे रहेंगे। पार्टनर की ओर से उपहार मिल सकता है। सिंगल लोगों के लिए आज का दिन अच्छा साबित होगा।

**वृश्चिक** — आज बिगड़े रिश्ते संभालने का मौका मिलेगा। इगो को दरकीनार कर एक-दूसरे को समझाने से अधिक समझने का प्रयास करें। तभी सुखी जीवन का निर्वाह कर पाएंगे। सिंगल से डबल होने की शुरुआत होगी।

**धनु** — कार्यक्षेत्र में आप किसी से प्रभावित हो सकते हैं। पार्टनर की पुरानी बातों के बारे में सोचकर प्यार में खो जाएंगे। पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा। आज लव लाइफ में प्रेमी को पार्टनर से भरपूर रोमांस मिलेगा।

**मकर** — आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। साथी के व्यवहार में आए बदलाव को समझ पाना मुश्किल होगा। बेशक वो लव लाइफ को लेकर रोमांटिक रहेंगे लेकिन मूड कब बदल जाए, यह जान पाना मुश्किल होगा।

**कुम्भ** — आज का दिन लव लाइफ के लिए नार्मल रहेगा। आज आप पार्टनर के साथ रोमांस करेंगे। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। रिश्तों में मधुरता लाने के प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

**मीन** — आज मूड में बदलाव आते रहेंगे। स्वभाव में मधुरता रखेंगे तो ही लव लाइफ संभल पाएगी नहीं तो आपका व्यवहार न केवल आपके साथी बल्कि अपनों को भी दूर करेगा।

# 'इमरजेंसी' में इंदिरा गांधी का किरदार निभाएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। कंगना रनौत की आखिरी रिलीज फिल्म धाकड़ बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई। धाकड़ के बाद अब कंगना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है। कंगना की अपकमिंग फिल्म का नाम इमरजेंसी है, जिस में वो भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आई है। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म इमरजेंसी 25 जून 2023 को रिलीज हो सकती है। कंगना रनौत फिल्म इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आएंगी। कंगना इस फिल्म को निर्देशित करेंगी। वह इस फिल्म में अभिनय करने के साथ इसे प्रोड्यूस भी करेंगी। याद दिला दें कि 25 जून 1975 को इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने पूरे देश में इमरजेंसी लगाई थी। कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी से जुड़ा एक किस्सा बयां किया। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वर्ष 1975 के एक अखबार के पहले पन्नेकी तस्वीर साझा की है और लिखा है, ये दुनिया के इतिहास की सबसे ड्रामेटिक घटना थी। आज के दिन घोषित किए गए आपातकाल का क्या कारण था और क्या इसके परिणाम हुए थे? कंगना ने लिखा, इसके केंद्र में दुनिया की सबसे शक्तिशाली महिला थीं। इस पर बड़े स्तर पर फिल्म बननी चाहिए।

बॉलीवुड | मसाला

अपने करियर के मुश्किल दिनों को लेकर छलका पूजा हेगड़े का दर्द

## ऐसा समय भी था जब मेरे पास काम नहीं था

अपनी अलग पहचान बना चुकीं बोल्ड और खूबसूरत अदाकारा पूजा हेगड़े आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। कभी अपनी दिलकश तस्वीरों को लेकर तो कभी अपनी फिल्मों को लेकर। वैसे पूजा के लिए यहां तक का लंबा और शानदार सफर तय करना आसान नहीं था। पूजा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में कई उतार-चढ़ाव भी देखे। हाल ही में पूजा ने अपनी करियर जर्नी को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं। पूजा हेगड़े ने बताया, 'मेरे करियर का पीक टाइम तक था जब मेरे पास लगातार छह हिट फिल्में थीं जो मेरे खुद के लिए भी काफी आश्चर्यजनक था। लेकिन यह इतना आसान नहीं था क्योंकि मेरे करियर की शुरुआत मेरे लिए सबसे मुश्किल दौर था' पूजा आगे कहती हैं, 'ऐसा नहीं था कि मैंने एक फिल्म से ही इंडस्ट्री में धाक जमा ली और कभी मुड़कर नहीं देखा। मेरे सामने ऐसा समय भी आया जब मेरे पास काफी दिनों तक कोई काम नहीं था। उस दौरान मुझे ऐसी फिल्में नहीं मिल रही थीं, जो मैं करना चाहती थी। जब मुझे ऐसी फिल्म मिली भी तो वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। उसके बाद एक तेलुगू फिल्म मेरे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई। अपने इस पूरे सफर को एक रोलर कोस्टर राइड की तरह बताते हुए पूजा कहती हैं कि यह मजेदार भी था, मैंने उस दौरान बहुत कुछ सीखा।

बॉलीवुड | मन की बात

## गोरा बनाने वाले प्रोडेक्ट के एड को लेकर झेलनी पड़ी थी मुसीबत : ईशा

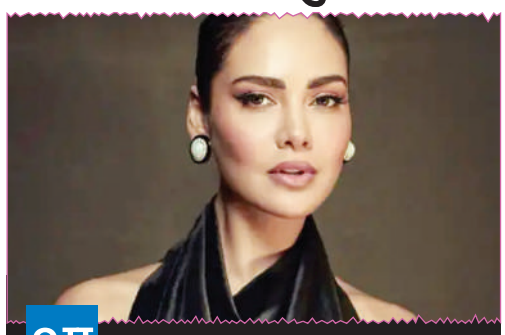

आश्रम 3' में ईशा गुप्ता के बोल्ड सीन की इन दिनों खूब चर्चा है। वेब सीरीज में उन्होंने बॉबी देओल के साथ इंटीमेट सीन दिए। सोशल मीडिया पर ईशा काफी एक्टिव हैं और अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि किस तरह इंडस्ट्री में सर्जरी से लेकर बॉडी लुक्स को लेकर तमाम तरह के सलाह दी जाती है। अब ईशा ने बताया कि उनके सांवले रंग की वजह रोल नहीं मिलते लेकिन उन्होंने अपनी जिंदगी में इसे स्वीकार किया। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ इसे अपनाया। शोबिज इंडस्ट्री में काम पाना और फिर यहां टिकना इतना भी आसान नहीं है। खासकर जब इंडस्ट्री से दूर-दूर तक कोई ताल्लुक नहीं हो। ईशा गुप्ता बताती है कि एक वक्त था जब मैं सोचती थी काश मैं इडंस्ट्री से होती। मैं जानती हूं तब मैं इन सबका सामना नहीं करती। जब आप इंडस्ट्री से होते हैं तो आप फ्लॉप भी दे दें तो यह कोई बड़ी बात नहीं होगी क्योंकि आपके पास अभी भी एक और फिल्म होगी। मुझे याद है जब मेरी पहली फिल्म फ्लॉप हुई थी तो मैं बहुत डरी हुई थी। मैंने अपनी पसंद के लिए खुद को दोष देना शुरू कर दिया। मुझे लगा कि अब यह खत्म हो गया है और मेरे पास काम नहीं होगा लेकिन फिर मैंने काफी समय बाद खुद को संभाला और काम करती रही, पैसा कमाती रही। फिर आपको अहसास होता है यही जिंदगी है। अपने सावंले रंग को लेकर ईशा ने इंडस्ट्री में अपने अनुभवों के बारे में कहा, 'असल में यह एक ब्रांड कॉन्ट्रैक्ट के दौरान हुआ था। वह मेरी और मेरी एक्स-एजेंसी की गलती थी। हमने ठीक से कॉन्ट्रैक्ट को पढ़ा नहीं जिसमें कहा गया था कि व्हाइटनिंग और ब्राइटनिंग प्रोडक्ट्स। अगर मैं अपने चेहरे पर खीरा लगाऊं या रोज सही खाना खाऊं तो मेरे चेहरे की चमक पर फर्क पड़ेगा लेकिन ब्रांड ने मुझ पर मुकदमा करने का फैसला किया क्योंकि मैं त्वचा को गोरा करने वाले उनके उत्पादों का समर्थन करने के लिए तैयार नहीं थी।

## दुनिया का सबसे जहरीला जानवर कौन सा है? चंद सेकेंड में शिकार को उतार देता है मौत के घाट

दुनिया में हर जीव को प्रकृति ने बचाव के लिए कई ऐसे तरीके दिए हैं, जिनसे वो अपनी जान की हिफाजत करता है। इन तरीकों से उसे अपना शिकार पकड़ने में भी मदद मिलती ह। पूरी लाइफ साइकल में एक जीव, दूसरे के लिए शिकार होता है तो तीसरे के लिए शिकारी. वो अपनी खास शक्तियों से शिकार को पकड़ता या बचाव करता ह। ऐसे में ये बता पाना मुश्किल है कि इनमें से सबसे सर्वश्रेष्ठ या यूं कहें कि सबसे जहरीला कौन सा जीव है। आम आदमी अपने-अपने नजरिए से जीवों को ज्यादा जहरीला और कम जहरीला मानता है। किसी के लिए शेर या अन्य बिल्लियां खतरनाक होती हैं तो किसी के लिए मगरमच्छ या अन्य रेप्टाइल।मगर आज हम आपको बताने जा रहे हैं उस जीव के बारे में जिसे जहरीला होने के पैमाने पर दुनिया का सबसे खतरनाक जीव वैज्ञानिक मानते हैं। इस जीव को खतरनाक मानने के पीछे कई वैज्ञानिक कारण हैं। हाउ स्टफ वर्क्स वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार जानवरों के खतरनाक होने के कई पैमाने हो सकते हैं। जैसे या तो वो बेहद जहरीले हों. या फिर उनसे बीमारियां बहुत ज्यादा फैलती हों, या फिर वो बेहद गुस्सैल हों। मगर आज हम इन सारे पैमानों में से एक, सबसे जहरीले जीव के बारे में बताने जा रहे हैं। कई लोग किंग कोबरा को सबसे जहरीला मानते हैं तो कई बिच्छुओं को। कुछ कहते हैं कि मेंढक की खास प्रजाति सबसे जहरीली है तो कुछ का मानना है कि बॉक्स जेली फिश सबसे जहरीला जीव है।मगर रिपोर्ट की मानें तो दुनिया का सबसे जहरीला जीव है जियोग्राफी कोन स्नेल। जितना जहर एक बड़े बिच्छू को चाहिए अपने शिकार को मारने के लिए, उसके सिर्फ दसवें भाग का इस्तेमाल का ये घोंघा अपने शिकार को मार डालता है।ये छोटे से सीप लगे जीव इंडो-पैसिफिक की चट्टानों पर रहते हैं और इंसानों से इनका सामने बहुत कम होता ह। यही वजह है कि इस जीव के द्वारा मरना इंसानों के लि बेहद दुर्लभ है। हालांकि अब तक इन घोंघों से 30 गोताखोरों की मौत दर्ज की जा चुकी है। हैरानी की बात ये है कि अगर लोगों को वक्त पर अस्पताल नहीं ले जाया गया तो 65 फीसदी लोगों की घोंघे के काटने से मौत हो जाएगी। फिलहाल इसका जहर खत्म करने की कोई दवा नहीं है। मरीज को सिर्फ खुद को मजबूत रखना पड़ेगा, जिससे धीरे-धीरे उसका जहर शरीर से चला जाए।

अजब-गजब | नहीं जानते होंगे खुद से जुड़े बड़े सवाल का जवाब

## इंसान की हथेली और तलवे पर क्यों नहीं उगते बाल ?

पोलर बियर या खरगोश जैसे कई जीव होते हैं जिनकी हथेली पर या पैर के निचले हिस्से पर बाल होते हैं। मगर इंसानों के साथ इसका उल्टा है। हथेली और तलवों पर बाल ना होना, उन्हें बाकी स्तनधारी जीवों से अलग बनाता है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इंसानों के इन दो जगहों पर बाल क्यों नहीं उगते, जबकि हथेली के ऊपरी हिस्से में खूब बाल उगते हैं, वहीं तलवों के ऊपरी हिस्से यानी पैर पर भी बाल उगते हैं। साइंस अलर्ट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों के लिए ये काफी वक्त से एक राज बना हुआ था कि हथेली और तलवों पर बाल क्यों नहीं होते। मगर साल 2018 की एक रिसर्च ने इस सवाल का जवाब खोज लिया था कि आखिर ऐसा कैसे होता है। आज हम आपको हथेली और तलवों के बालों से जुड़े कैसे और क्यों का जवाब देने की कोशिश कर रहे हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया की त्वचा विशेषज्ञ सारा मिलर ने कॉसमॉस वेबसाइट से बात करते हुए बताया था उन्होंने बालों के लेकर रिसर्च की थी। उन्होंने बताया था कि हमारे शरीर में एक खास किस्म का प्रोटीन होता है जिसे Wnt कहते हैं। ये एक मॉलिक्यूलर मैसेंजर का काम करता है जो सेल्स के बीच बालों के उगने, स्पेस, और बढ़ने की जानकारी ले जाता है। इस प्रोटीन द्वारा पहुंचाए गए सिग्नल, बालों के उगने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। वैज्ञानिक ने बताया कि शरीर के जिन हिस्सों में बाल नहीं उगते, जैसे तलवों और हथेलियों में प्राकृतिक रूप से शरीर में मौजूद अवरोधक होते हैं जो इस प्रोटीन को अपना काम करने से रोकते हैं। ये अवरोधक भी एक तरह के प्रोटीन होते हैं।

**इस वजह से नहीं उगते बाल**

सारा ने बताया कि जब चूहों पर इस प्रोटीन को लेकर रिसर्च की गई तो उन्हें चौंकाने वाले नतीजे मिले। जब DKK2 प्रोटीन को चूहों में से हटाया गया तो उनकी हथेली पर, जहां बाल नहीं आते हैं, वहां भी बाल उगने लगे। इसके बाद जब खरगोशों पर रिसर्च की गई तो पता चला के उनके अंदर ये प्रोटीन काफी कम मात्रा है, जिससे ये अंदाजा लगाया गया कि इनकी गैरमौजूदगी की वजह से ही उनके हाथ-पैर पर ज्यादा बाल उगते हैं। अब ये तो हमने आपको बता दिया कैसे का जवाब। अब जान लेते हैं कि क्यों का जवाब। वैज्ञानिकों को अब तक ये नहीं पता चल पाया कि इन प्रोटीन्स के होने और ना होने के पीछे क्या कारण है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जीवों के समय के साथ विकास के कारण ये प्रोटीन उनके अंदर होते हैं या नहीं होते हैं। इस तरह प्रकृति ने उन्हें उनके वातावरण में सहूलियत प्रदान की है। जैसे भालू या फिर खरोगश को बर्फ या पथरीले और दुर्गम रास्तों पर चलना पड़ सकता है। इस कारण उनके हाथों और पैरों में बाल होते हैं, मगर इंसानों के साथ ऐसा कुछ भी नहीं है। अगर इंसानों के हाथों और पैर पर बाल होते तो उनके लिए जीना और भी मुश्किल हो जाता।

# सुलतानपुर में शव वाहन पलटा दो लोगों की मौत, 11 घायल

» लखनऊ से वाराणसी जा रहा था शव वाहन, गोवंश से टकराने से हुआ हादसा

» कुछ लोगों की हालत गंभीर, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**सुलतानपुर। लखनऊ से वाराणसी जा रहा शव वाहन बीती रात सुलतानपुर में बेसहारा गोवंश से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई। इस दौरान एक कार भी गोवंश से टकरा गई। दोनों वाहनों में सवार 11 लोग जख्मी हुए हैं।**

लखनऊ के हैदरगंज चौराहा के पास लक्ष्मणगंज निवासी केदार नाथ मिश्र की पत्नी राजरानी मिश्र की सोमवार को मौत हो गई थी। देर रात उनका पार्थिव शरीर लेकर परिवारजन व रिश्तेदार वाराणसी के लिए रवाना हुए थे। इसके लिए मेडिकल कॉलेज के समीप से शव वाहन किराये पर लिया गया था। वाहन को बहराइच जिले का करमुल्लापुर निवासी ओमकार यादव चला रहा था। वाहन में राजेन्द्र अवस्थी, राजेन्द्र कुमार त्रिवेदी, केपी शुक्ल, घनश्याम मिश्र, अखिलेश मिश्र , शशिभूषण मिश्र, आरडी शुक्ल, चक्रपाणि शुक्ल, शिव बालक शुक्ल, सत्य प्रकाश मिश्र और देवांश मिश्र सवार थे। शव वाहन के पीछे अलीगंज लखनऊ निवासी पवन मिश्र अकेले कार से जा रहे थे। बीती रात करीब दो बजे वाहन दियरा रोड ओवरब्रिज पार किया ही था कि अचानक एक गोवंश निर्माणाधीन फोरलेन पर पहुंच गया। गोवंश से टकरा कर तेज रफ्तार वाहन सड़क पर पलट गया। इससे चीख पुकार मच गई। टक्कर की आवाज सुनकर सड़क के दोनों तरफ मौजूद घरों से निकल कर लोग पहुंचे तो बस में सवार लोग फंसे हुए थे। इसी बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

ग्रामीणों की मदद से घायलों को निकाला जा रहा था। इसी दौरान पवन मिश्र की कार भी सड़क पर मृत पड़े गोवंश से टकरा कर पलट गई। बस व कार में सवार लोगों को निकालने के बाद उन्हें स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां राजेन्द्र अवस्थी व चालक ओमकार यादव को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल राजेन्द्र कुमार त्रिवेदी, केपी शुक्ल, चक्रपाणि शुक्ल, सत्य प्रकाश मिश्र को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रभाकांत तिवारी ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

# संभल में जिला अस्पताल में लगी आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**संभल। जिला अस्पताल की चौथी मंजिल पर अचानक आग लग गई। आग की वजह से वहां अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि अस्पताल की चौथी मंजिल पर कोई मरीज भर्ती नहीं था। बिल्डिंग के अन्य वार्डों से मरीजों को आनन-फानन में बाहर निकाला गया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।**

» बिल्डिंग से बाहर निकाले गए मरीज

अस्पताल की चौथी मंजिल पर धुआं और आग देखते ही अस्पताल के कर्मचारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर दमकल लेकर पहुंचे कर्मचारियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब पौने 12 बजे के आसपास अस्पताल की चौथी मंजिल पर कर्मचारियों ने आग देखी। इस दौरान अस्पताल के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। बिल्डिंग के अन्य फ्लोर पर मौजूद लोगों को आनन-फानन में बाहर निकाला गया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि जिस वार्ड में आग लगी थी वहां कोई मरीज भर्ती नहीं था।

## प्रयागराज हिंसा

# जावेद की पत्नी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

» घर पर बुलडोजर चलाए जाने के खिलाफ पहुंची हैं कोर्ट अगली सुनवाई तीस को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**प्रयागराज। जिले में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मुख्य आरोपी जावेद मोहम्मद उर्फ जावेद पंप के घर पर बुलडोजर चलाए जाने के खिलाफ दायर याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले में जावेद की पत्नी परवीन फातिमा की याचिका पर यूपी सरकार के अधिवक्ता से जवाब मांगा। इस मामले में अब अगली सुनवाई 30 जून को होगी।**

जावेद मोहम्मद की पत्नी की याचिका पर जस्टिस अंजनी कुमार मिश्रा और जस्टिस सैयद वाइज मियां की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। उन्होंने अपनी याचिका में मनमाने तरीके से उनका मकान गिराए जाने का आरोप लगाया है। परवीन फातिमा की दलील है कि मकान उनके पर नाम था जबकि नोटिस उनके पति जावेद के नाम जारी की गई थी। ऐसे में उनकी मकान पर बुलडोजर चलाए जाने की कार्यवाही अवैध थी। फातिमा ने अपनी याचिका में दोबारा मकान बनाकर दिए जाने के साथ इस मामले में दोषी अफसरों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इसके साथ ही नया मकान बनने तक सिर छुपाने के लिए सरकारी आवास दिए जाने और उचित मुआवजा दिए जाने की मांग है।

याचिका में यूपी सरकार, प्रयागराज मंडल के कमिश्नर, जिले के डीएम व एसएसपी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण को पक्षकार बनाया गया है।

# अलीगढ़: पति-पत्नी को पीट पीट कर उतारा मौत के घाट

तीन गंभीर घायल, नाले के विवाद में पड़ोसी ने दिया वारदात को अंजाम

» दो हमलावर गिरफ्तार अन्य फरार, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**अलीगढ़। जिले के क्वार्सी थाना क्षेत्र में नाले से जुड़े विवाद को लेकर पड़ोसी के हमले से अधेड़ उम्र के पति-पत्नी की मौत हो गई जबकि उनके तीन बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।**

पुलिस ने बताया कि रॉड, पत्थरों और लाठियों से हमला करने के बाद आधा दर्जन से अधिक हमलावर पीड़ितों को छोड़कर मौके से फरार हो गए। हमले में एक दंपति की सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कलानिधि नैथानी ने बताया कि हमले में घायल जगेंद्र पाल (50) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि उनकी पत्नी सर्वेश देवी (45) की अस्पताल ले जाने के कुछ ही देर बाद मौत हो गई। माता-पिता को बचाने के लिए दौड़े उनके तीनों बच्चे-सोनू (22), विशाल (19) और डॉली (16) भी हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उनका इलाज जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। हमलावरों में से दो अजय और जितेंद्र को पकड़ लिया गया है जबकि अन्य नामित आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड को दो साल पहले हुई एक हिंसा का बदला लेने की कार्रवाई करार दिया है। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2020 में दोनों पड़ोसी परिवारों के बीच एक विवाद को लेकर हुई हिंसा में अधेड़ उम्र की एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद जगेंद्र पाल अपने गांव से बाहर चले गए थे। घटना में मारी गई सर्वेश देवी अपने दो बेटों के साथ जमानत पर बाहर थी।

## देवरिया में युवक की गला काटकर हत्या

**देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के चिउरहा खास गांव के सामने नहर के किनारे युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई। आज सुबह शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान हटा थानाक्षेत्र (कुशीनगर) के करज गांव के रहने वाले श्रीकांत प्रसाद पुत्र गुजेसर प्रसाद के रूप में हुई है। पुलिस ने गांव के एक युवक को हिरासत में लिया है। घटना की मुख्य वजह शराब पीने के दौरान विवाद बताया जा रहा है। करज गांव के रहने वाले 48 वर्षीय श्रीकांत सोमवार की शाम घर से पांच बजे से घर से निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर स्वजन उनकी खोजबीन करने लगे। मोबाइल फोन पर काल किया तो कमरे में था। आज सुबह उनका शव मिला। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव के पास से आधार कार्ड बरामद किया। पड़ोस के गांव का निवासी होने के कारण लोगों ने पहचान की। स्वजन के अनुसार, सोमवार को वे खेत में धान की रोपाई कर घर आए थे। उसके कुछ देर बाद घर से निकल गए। सीओ सिटी देवरिया यश त्रिपाठी ने कहा कि युवक की गला काटकर हत्या कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।**

# तो शिंदे के ऊपर से टल गया खतरा!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। महाराष्ट्र की सियासी जंग अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गई है। शिंदे समेत 16 बागी विधायकों को शीर्ष अदालत से राहत मिली है, उनके सिर पर मंडराता अयोग्यता का खतरा फिलहाल टल गया है। ऐसे में सवाल उठता कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोइटे, डॉ. राकेश पाठक, दिनेश के वोहरा, भानु मिश्रा, अभिषेक कुमार, बीजेपी नेता राम यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।**

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि अब आमधारणा ये बन गई है कि जनता को पता है कि सर्वोच्च न्यायालय से क्या फैसला आने वाला है। लाखों मुकदमे लंबित है मगर सत्ता से प्रेरित मुकदमों की सुनवाई त्वरित गति से होती है। फिलहाल निर्णय फ्लोर इन द हाउस में होना है। ये जो समय दिया गया है, ये चिंताजनक बात है। भानु मिश्रा ने कहा, हिंदुत्व के मुद्दे पर पूरे देश में बाला साहेब ठाकरे की अलग पहचान है। हो सकता है कि शिंदे गुट मनसे में मर्ज हो जाए। वर्तमान में उद्धव सरकार खतरे में है। तुलसीदास ने कहा एकनाथ शिंदे यह लड़ाई जीतते नजर आ रहे हैं। इस राष्ट्र की महाशक्ति उनके साथ खड़ी है। आंकड़े देखें तो सरकार बदलने जा रही है। राम यादव ने कहा यह शिवसेना की अंदरूनी लड़ाई है। सुप्रीम कोर्ट में मामला है, देखते हैं आगे क्या होता है। दिनेश के वोहरा और अभिषेक कुमार भी परिचर्चा में शामिल हुए।

# योगी कैबिनेट ने डाटा सेंटर नीति 2021 को दी मंजूरी

**कैबिनेट बैठक में 15 में से 14 प्रस्तावों को हरी झंडी, इस वर्ष 35 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। योगी सरकार की कैबिनेट बैठक मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर सम्पन्न हो गई। बैठक में 15 प्रस्ताव को चर्चा के लिए रखा गया, जिनमें से 14 को मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में विकास कार्य के प्रस्तावों को हरी झंडी मिलने मिली। कैबिनेट बैठक के दौरान सभी कैबिनेट तथा स्वतंत्र प्रभार के राज्यमंत्री मौजूद थे।**

कैबिनेट की बैठक में उत्तर प्रदेश डाटा सेंटर नीति 2021 के तहत चार निवेश प्रस्तावों को प्रोत्साहनों की स्वीकृति प्रदान की गई। विभिन निवेशक 15,950 करोड़ रूपये से अधिक निवेश से चार डाटा सेंटर पार्क्स की स्थापना करने के इच्छुक हैं। इनकी स्थापना से करीब चार हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होंगे। कैबिनेट बैठक में निशुल्क पौध उपलब्ध कराने को स्वीकृति मिली। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35 करोड़ पौधरोपण के लिए प्रदेश के सभी शासकीय विभागों एवं अन्य को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन की पौधशालाओं से निशुल्क पौध उपलब्ध कराने को स्वीकृति प्रदान की है। स्प्रिंकलर सिंचाई के प्रोत्साहन के लिए पर ड्रॉप मोर क्रॉप कार्यक्रम में ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई के प्रोत्साहन के लिए पांच वर्ष तक अतिरिक्त राज्य सहायता ( टॉप अप) अनुमन्य करने को कैबिनेट ने सहमति दी है। साथ ही रेलवे अंडर पास के सम्बंध में उत्तर प्रदेश के पीडब्ल्यूडी विभाग और केंद्र सरकार के परिवहन रेल के साथ अनुबंध को हरी झंडी दी गई है। उत्तर प्रदेश में विमानन मेंटेनेंस रिपेयर ओवरहाल हब के सम्बंध में प्रस्ताव पास किया गया। कैबिनेट बैठक में उत्तरप्रदेश में वन्य क्षेत्रों को बढाने के सम्बंध में प्रस्ताव पास किया गया। इस वर्ष 35 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। नगर निकाय क्षेत्र में सम्मिलित ग्रामों में भी स्वामित्व योजना के अंतर्गत आबादी सर्वेक्षण एवं अभिलेख क्रिया के कार्य को जारी रखे जाने का प्रस्ताव भी पास हुआ है। कैबिनेट ने प्रदेश के अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न के लिए 3196.81 करोड़ रूपये अनुमानित व्ययभार को हरी झंडी प्रदान की है।

## रेलवे क्रॉसिंग पर बनाए जाएंगे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में डाटा सेंटर नीति 2021 के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इससे बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे। बैठक में होमगार्ड को प्रशिक्षण अवधि में 786 रुपये भत्ता देने पर भी निर्णय लिया गया। बैठक के फैसलों की जानकारी कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद ने दी। उन्होंने कहा कि रेलवे ओवर ब्रिज और अंडर पास के लिए भारत सरकार के नेशनल हाईवे और रेलवे के साथ एमओयू किया जाएगा। 300 रेलवे क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज बनाए जाएंगे। इसमें राज्य सरकार का खर्च 10 प्रतिशत होगा। जितिन प्रसाद ने बताया यूपी को एयर क्राफ्ट सर्विस और ओवरहॉलिंग का हब बनाया जाएगा। नोएडा में इसकी पहली यूनिट स्थापित होगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर ड्रॉप मोर क्रॉप के लिए पांच वर्ष के लिए वित्तीय सहायता की मंजूरी दी गई है।**

# लोकसेवकों को सेवा संबंधी कानून सिखाने में यूपी सरकार फेल : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

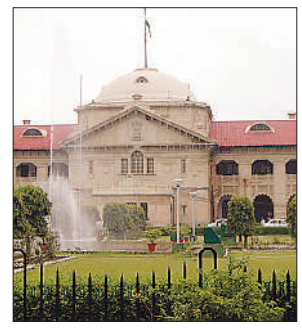

**प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवा संबंधी कानूनों और नियमों के मामले में लोक सेवकों को लेकर बेहद अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने यूपी सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि सरकार अहम पदों पर बैठे लोक सेवकों को सेवा संबंधी नियमों और कानूनों के बारे में प्रशिक्षित करने में असफल रही है।**

कोर्ट ने कमिश्नर अलीगढ़, डीएम हाथरस और एसडीएम सासनी के याची के खिलाफ पारित आदेश को रद्द करते हुए कहा कि सरकार के अधिकारी विभागीय जांच करने में बिल्कुल भी प्रशिक्षित नहीं हैं। वे विभागीय कर्मचारियों के खिलाफ होने वाली जांच को सही तरीके से नहीं कर रहे हैं और गलत आदेश पारित कर रहे हैं। इससे यूपी गवर्नमेंट सर्वेन्ट (डिसप्लिन एंड अपीलद्ध रूल्स 1999) की अवहेलना हो रही है। कोर्ट ने प्रधान सचिव राजस्व उत्तर प्रदेश को निर्देश दिया कि वह लोक सेवकों को सेवा संबंधी कानूनों और नियमों के बारे में प्रशिक्षित करें, ताकि वे कर्मचारियों का करिअर बर्बाद न कर सकें। कोर्ट ने आदेश दिया कि याची के इंक्रीमेंट को बहाल करते हुए उसे सभी लाभों को प्रदान किया जाए। साथ ही याची को चार सप्ताह में छह प्रतिशत की दर से एरियर का भुगतान किया जाए। अगर समयबद्ध आदेश का अनुपालन नहीं होता है तो याची के एरियर को 12 प्रतिशत की दर की ब्याज से भुगतान करना होगा। कोर्ट ने आदेश की कॉपी प्रमुख सचिव, राजस्व को भेजने का भी आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने शिव कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। वहीं याची की ओर से तर्क दिया गया कि वह सासनी तहसील में बतौर सहायक क्लर्क के तौर पर तैनात था। याची पर दूसरे कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने और गाली देने का आरोप है। इसके अलावा आरोप था कि वह तहसील परिसर में शराब पीता है। इस आरोप में उसके दो इंक्रीमेंट रोकने का आदेश पारित किया गया।

# सीएम से मिले निरहुआ आधा घंटे गुप्त बैठक

**» आजमगढ़ से निर्वाचित लोकसभा सदस्य निरहुआ ने परिवार समेत की मुख्यमंत्री से मुलाकात**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। लोकसभा उप चुनाव में समाजवादी पार्टी के गढ़ आजमगढ़ में सेंध लगाने वाले भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी भोजपुरी गायक तथा अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ मंगलवार को लखनऊ पहुंचे। आजमगढ़ से लोकसभा सदस्य निर्वाचित दिनेश लाल यादव निरहुआ ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।**

बताया जा रहा है कि सीएम योगी से निरहुआ ने करीब आधे घंटे गुप्त बैठक की, इस बैठक में परिवार के लोग भी शामिल थे। लखनऊ पहुंचे दिनेश लाल यादव ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर भेंट की। साथ ही उन्होंने लखनऊ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह तथा भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल से भी भेंट की। आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में निरहुआ ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव को हराया था। बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली यहां पर तीसरे स्थान पर थे। आजमगढ़ लोकसभा सीट समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। जहां पर 23 जून को मतदान हुआ और 26 जून को इसका परिणाम घोषित किया गया। आजमगढ़ में अखिलेश यादव ने 2019 तथा मुलायम सिंह यादव ने 2014 में जीत दर्ज की थी। इससे पहले 2009 में आजमगढ़ से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में रमाकांत यादव ने जीत दर्ज की थी। आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव में करीब 18 लाख, 38 हजार वोट में से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को तीन लाख, 12,768 (34.34 प्रतिशत) वोट मिले। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बदायूं से पूर्व सांसद धर्मेन्द्र यादव को तीन लाख, चार हजार, 089 वोट (33.44 प्रतिशत) तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी पूर्व विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को दो लाख, 66,210 (29.27 प्रतिशत) वोट मिले। यहां पर 23 जून को कुल 46.84 प्रतिशत मतदान हुआ था। आजमगढ़ में एक महिला सहित कुल 13 प्रत्याशी मैदान में थे।

# किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी : टिकैत

**» विकास दुबे के परिवार जैसी गति नहीं होगी टिकैत खानदान की वीडियो वायरल**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत एक वीडियो में कह रहे हैं कि हम तो जिंदों में आग लगा देंगे। वह कह रहे हैं कि जो लोग टिकैत परिवार को विकास दुबे जैसा परिवार बनाकर मिटाना चाहते हैं, वो समझ लें कि हम उन जैसे नहीं हैं। मेरठ के ऊर्जा भवन में हुई किसानों की पंचायत में नरेश टिकैत ने अपने भाषण के बीच में ये शब्द कहे थे।**

वीडियो में कहा कि मेरे भी कानों में बात आई...ये कह रहे थे कि टिकैत परिवार का तो आज। वो कौन सा है, जो मरा था इन्होंने मध्यप्रदेश का आदमी... विकास दुबे। जिसका दो साल पहले पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था।) ये कह रहे कि विकास दुबे बनाना है इस परिवार का। हम ये कह रहे हैं कि हम जिंदा में आग लगवा देते हैं, हमारे खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दो, हम जिंदा में आग लगवा देते हैं। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ बढ़िया आदमी हैं, हम सम्मान करते हैं उनका। मेयर बदल जाएं, अफसर बदल जाएं, पर किसानों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। साफ बात है कि किसानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। किसानों की एक आवाज पर हम खड़े हैं, जो भी बात होगी किसानों के साथ हम पहले गोली खाएंगे।

# 30 जून को बागी विधायक पहुंच सकते हैं मुंबई!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। एकनाथ शिंदे ने गुवाहाटी में कहा कि हम शिवसेना में हैं और कहीं नहीं जा रहे हैं, जल्द ही मुंबई लौटेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही सबको अपने अगले कदम के बारे में जानकारी देंगे।**

उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं कि गुवाहाटी में मौजूद विधायकों में से 2 दर्जन हमारे संपर्क में हैं, तो उनके नाम की लिस्ट सार्वजनिक क्यों नहीं करते हैं। शिंदे ने कहा कि गुवाहाटी में मौजूद सभी विधायक उनके साथ खुश हैं। 50 विधायक उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग शिवसेना को आगे लेकर जाएंगे और हम शिवसेना में ही हैं। सारे विधायक अपनी मर्जी से गुवाहाटी से आएं हैं। केसरकर हमारे गुट के प्रवक्ता हैं और ज्यादा जानकारी देंगे। बागी नेता शिंदे ने कहा कि हम हिंदुत्व का मुद्दा आगे लेकर जा रहे हैं। पता चला है कि 30 जून को बागी विधायक मुंबई लौट सकते हैं। कहा जा रहा है कि मुंबई पहुंचने के बाद शिंदे राज्यपाल से मिल सकते हैं। इसके बाद फ्लोर टेस्ट की भी मांग की जा सकती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।